रामधारी सिंह दिनकर

23 सितंबर 1908-24 अप्रैल 1974)

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय
म्हापसा-गोवा।

हिंदी विभाग

बढ़ते क़दम...

अंक-7

हिंदी विभाग

2024-25

डॉ. रमिता गुरव (विभागाध्यक्ष)

डॉ. मैग्डालीन डिसूजा

प्रा. सलीम गड़ेद

प्रा. प्रितम साळगाँवकर

प्रा. क्षितिजा पेड़णेकर

प्रा. अर्सेला बर्रेटो (प्रभारी प्राचार्य)

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि मैं हिंदी विभाग के ई-पत्रिका के विमोचन के लिए ये कुछ वाक्य लिख रहा हूँ। यह पत्रिका हिंदी दिवस समारोह के साथ मेल खाती है।   14 सितंबर जहां हम हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाने का जश्न मनाते हैं, उस दिन कर्मचारियों और छात्रों को मेरी शुभकामनाएं।

हिंदी, एकता और अभिव्यक्ति की भाषा है, जो हमारे इतिहास, साहित्य और परंपराओं के साथ हमारे बंधन को मजबूत करती है। आइए, अपनी सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करते हुए हिंदी को बढ़ावा दें और संजोएं।

इस अवसर पर बढ़ते कदम का यह अंक प्रकाशित करने के लिए संपादक और हिंदी विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएँ!

फा. आंतोनियो सालेमा (प्रशासक)

दुनिया की सबसे मधुरतम भाषा है हिन्दी। भारत की जान है हिंदी। मैं हिंदी विभाग के कार्य पर अत्यंत गर्व महसूस करता हूँ। महाविद्यालय की स्थापना के साथ जिस आत्मविश्वास और कुशलता से यह विभाग अपने दायित्व को निभा रहा है यह देख कर मन प्रफुल्लित होता है। ऐसा कोई समय नहीं रहा जहां हिंदी विभाग ने अपने कौशल का प्रदर्शन न किया हो ! आज विभाग अपने 'बढ़ते क़दम' का सातवाँ अंक का विमोचन करने जा रहा है; इसमें दिए गए कार्यक्रमों का बौरा देखकर विद्यार्थियों का हिंदी के प्रति प्रेम स्पष्ट नज़र आता है। मैं तहे दिल से हिंदी विभाग एवं संपादक मण्डल को हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु किए गए श्रम के लिए बधाई देते हुए अपने कार्य को इसी तरह जारी रखने की आशा करता हूँ। भगवान आप सभी का भला करें !

डॉ. मैग्डालीन डिसूज़ा (विभागाध्यक्ष 2023-24)

हिंदी विभाग 'बढ़ते कदम' का सातवाँ अंक प्रस्तुत कर रहा है। जिसमें विभाग की सारी गतिविधियों की जानकारी है। यह ई-पत्रिका छात्रों के बीच एक उम्मीद की लौ जागती है। साथ ही सर्जनात्मकता की ज्वाला जगाती है। मैं अपने विभाग के सारे साथियों को श्रेय देती हूँ विशेष रूप से सलीम गड़ेद और तृतीय वर्ष की छात्रा गंदिता नार्वेकर को जिन्होंने मेहनत करके इस अंक को आपके सामने प्रस्तुत किया।

डॉ. रमिता गुरव

भाषा दिलों को जोड़ने का काम करती है, मनुष्य को मनुष्य बनाने का काम करती है। सेंट झेवियर्स महाविद्यालय का हिंदी विभाग इस विचार में आस्था रखता है। विभाग की स्थापना महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही 1963 में हुई थी। तब से अब तक हिंदी विभाग अपने विविध उपक्रमों द्वारा गोवा में हिंदी के प्रचार और प्रसार में अपना योगदान देता आ रहा है। 'बढ़ते कदम' इस ई-पत्रिका द्वारा हिंदी विभाग के बढ़ते कदमों का लेखा-जोखा आपके सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। सहायक प्राध्यापक सलीम गड़ेद, 2023-2024 में हमारे विभाग में पढ़ाने वाली सहायक प्राध्यापिका प्रियांका जयसवाल तथा तृतीय वर्ष की विद्यार्थी गंदिता नार्वेकर द्वारा इसका संपादन किया गया है। हम सब की तरफ से उन्हें बहुत-बहुत बधाई!

संपादकीय

'बढ़ते क़दम' का सातवां अंक साझा करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। गत वर्ष नई शिक्षा प्रणाली के चलते कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक ओर शिक्षा पद्धति में हो रहे बदलाव ने शिक्षक वर्ग की परेशानियों को और बढ़ा दिया तो दूसरी ओर विद्यार्थियों का हिंदी के प्रति घट रहा प्रेम धीरे-धीरे हिंदी की स्थिति पर प्रश्न खड़े करता दिखाई दिया। किन्तु इस हलचल ने विभाग की गतिविधियों में ऊर्जा भरने का ही काम किया है। सेंट झेवियर्स का हिंदी विभाग हमेशा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को महत्व देता रहा है। पाठ्यक्रम के साथ प्रस्तुत गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति प्रेम जगाकर समस्याओं को पाटने का प्रयास किया है। जहां विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों के माध्यम से भाषाई द्वेष से दूर हटकर संस्कृति, दर्शन, इतिहास, कला, आदि को आत्मसात किया दिखाई देता है। यह अंक खास इसलिए भी है क्योंकि यह अंक को हिंदी के राष्ट्रकवि को समर्पित किया जा रहा है। जिनकी कविता सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए प्रेरणादायक रही। मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रशासक के प्रति ऋणी हूँ जो हमेशा हिंदी के विकास में अपना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करते रहे हैं। मैं विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रमिता गुरव तथा विभाग की सहयोगी प्राध्यापिका डॉ. मैग्डालीन डिसूजा का भी ऋणी हूँ। आगे विशेष तृतीय वर्ष की छात्रा गंदिता नार्वेकर को जिसने अनुवाद कार्य में सहायता की।

सलीम गड़ेद

सहायक प्राध्यापक

संपादक मंडल

प्रा. सलीम गड़ेद

गंदिता नार्वेकर (तृतीय वर्ष कला)

विभागीय

गतिविधियाँ

2023-2024

प्रेमचंद और तुलसी दिवस

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग में 14 अगस्त 2023 को तुलसी एवं प्रेमचंद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए 'प्रपत्र प्रस्तुतीकरण 'का आयोजन किया गया था, जिसमें 06 विद्यार्थियों ने प्रपत्र प्रस्तुत किए। प्रपत्र प्रस्तुतीकरण को दो सत्रों में विभाजित किया गया था जिसके प्रथम सत्र प्रेमचंद के जीवन एवं उनके साहित्य पर आधारित रहा तथा दूसरे सत्र में तुलसीदास के जीवन और साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. आशा गहलोत ने की। तथा दूसरे सत्र की अध्यक्षता को डॉ. रमिता गुरव ने संभाला। कार्यक्रम का समापन डॉ. मैग्डलीन डिसूजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लेखक से बातचीत

25 अगस्त 2023 को हिंदी विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने लेखक शिवमूर्ति के साथ उनके साहित्य पर चर्चा की। इस चर्चा का माध्यम ऑनलाइन रहा, जिसमें उनके साहित्य के विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास विद्यार्थियों ने किया। इस चर्चा में रचनाकार की रचनात्मकता पर भी लेखक ने प्रकाश डाला। इस भेट का लाभ तृतीय वर्ष के हिंदी की छात्राएं तथा विभाग के शिक्षकों ने लिया।

वृत्तचित्र निर्माण कार्यशाला

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा '_वृत्तचित्र_लेखन एवं निर्माण' विषय पर चार दिवसीय(26/29/30 अगस्त तथा 12 सितंबर 2023) हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को वृत्तचित्र निर्माण से संबंधित तकनीकी एवं अन्य जानकारियों से लाभान्वित किया। इस कार्यशाला में हिंदी एवं कोंकणी विभाग से 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

<u>हिंदी दिवस समारोह</u>

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने 11 सितंबर 2023 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्राध्यापिका प्रियंका जयसवाल ने औपचारिक कार्यक्रम का सूत्रसंचालन सांभाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जी. वी. एम महाविद्यालय, पोंडा की सहयोगी प्राध्यापिका श्रीमति करुणा सातार्डेकर उपस्थित रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे स्वरचित काव्य प्रस्तुतीकरण, कहानी लेखन, निबंध लेखन, भजन गायन, एकालाप, रेखाचित्र, युगल गायन और वक्तृत्व स्पर्धा आदि। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। विजेता के नाम निम्न है -

1) **स्वरचित कविता** 1) महक कटवेलिया, 2) प्रतीक खराटे
2) **कहानी लेखन** 1) शुभांगी फड़ते
3) **निबंध लेखन** 1) मानसी प्रभु भट गावकर , 2) शुभांगी फड़ते
4) **भजन गायन** 1) प्राची मनेरीकर
5) **एकालाप स्पर्धा** 1) राधिका राठौड़ , 2) प्रतीक खराटे
6) **रेखाचित्र स्पर्धा** 1) प्रांजलि राउल, 2)अनुजा सुतार
7) **वक्तृत्व स्पर्धा** 1) मानसी प्रभु भट गाँवकर

हिंदी सृजनोत्सव 2023

15 सितंबर 2023 को सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने इंस्टिट्यूट मिनेज़िस ब्रागांज़ा पणजी गोवा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 'हिंदी सृजनोत्सव 2023', में भाग लिया। महाविद्यालय को इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दो पुरस्कार प्राप्त हुए।

1) प्रतीक खराटे - कविता प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान
2) शुभांगी फड़ते - निबन्ध लेखन में तीसरा स्थान

अध्ययन यात्रा

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने 26 दिसंबर से 29 दिसंबर 2023 को अध्ययन यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में धारवाड़ विश्वविद्यालय, हुबली और सरकारी प्रथम श्रेणी महाविद्यालय दांडेली का दौरा किया गया। साथ ही, दर्शनीय स्थल देखने का भी आनंद लिया। इस अध्ययन यात्रा में 4 शिक्षक श्री सलीम गदेड़, सुश्री सिद्धि गवास, सुश्री प्रीतम सालगांवकर, सुश्री प्रियंका जयसवाल के साथ प्रथम,द्वितीय व तृतीय वर्ष कला के 41 छात्र शामिल रहें।

अतिथि व्याख्यान

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने 19 जनवरी 2024 को महाविद्यालय के स्टूडियो में मध्यकालीन कविता पर चर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. इमरे बंघा (सहयोगी प्राध्यापक, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) ने मध्यकालीन कविता पर विशेष व्याख्यान दिया। यह चर्चा हिंदी विभाग के विद्यार्थियों के लिए लाभदायक रही। इस चर्चा में 6 शिक्षकों के साथ 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

<u>विश्व हिंदी दिवस समारोह 2024</u>

शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, खंडोला के हिंदी विभाग द्वारा 10 जनवरी 2024 को 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग से सहयोगी प्राध्यापिका डॉ. मैग्डलीन डिसूजा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था उन्होंने '**गिलिगडु उपन्यास में चित्रित वृद्ध जीवन**' पर व्याख्यान देकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

अनुवाद कार्यशाला

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के कोंकणी विभाग ने कोंकणी अस्मिता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान से छात्रों के लिए अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में अनुवाद पर विशेष व्याख्यान के लिए विभिन्न अतिथि व्याख्याताओं को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला का लाभ कोंकणी विभाग के साथ हिंदी विभाग के 10 छात्रों तथा शिक्षकों ने लिया।

अतिथि व्याख्यान

हिंदी विभाग ने 2 फरवरी 2024 को गोवा विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह के अतिथि व्याख्यान में भाग लिया। प्रथम सत्र में प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह ने हिंदी और उर्दू साहित्य पर विशेष व्याख्यान दिया तथा दूसरे सत्र में लेखक का कहानी पाठ का आयोजन किया गया था। सेंट झेवियर्स महाविद्यालय से 5 छात्रों ने प्राध्यापक सलीम गड़ेद के साथ इस व्याख्यान में भाग लिया।

भाषण प्रतियोगिता

हिंदी विभाग ने 4 मार्च 2024 को पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय मडगांव द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में तृतीय वर्ष से मानसी तथा प्रथम वर्ष से चंदना ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

भ्रमण यात्रा

सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने 13 मार्च 2024 को हिंदी के छात्रों के लिए भ्रमण यात्रा का आयोजन किया। इस भ्रमण यात्रा में हिंदी के 75 छात्रों ने 3 शिक्षकों के साथ हिस्सा लिया। भ्रमण यात्रा की शुरुआत उत्तरी गोवा से हुई, जहाँ छात्रों ने गोवा के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों जैसे ज़ुवेम किला, आदिलशाही मस्जिद और दरगाह, कुडणे 15वीं सदी का जैन मंदिर, भोज युग की गुफाएँ और झरने, और अंत में कदंब युग का ताम्बड़ी सुरला महादेव मंदिर का दौरा किया।

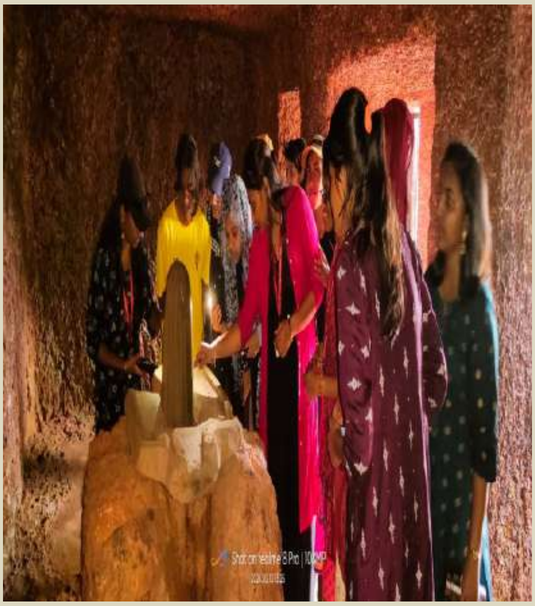

अतिथि व्याख्यान

शासकीय महाविद्यालय केपें के हिंदी विभाग ने 9 मार्च 2024 को 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपान्यास' विषय पर अतिथि व्याख्यान के लिए सेंट झेवियर्स महाविद्यालय के श्री सलीम गड़ेद (हिंदी के सहायक प्राध्यापक) को प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था। इस व्याख्यान में उन्होंने स्वातंत्र्योत्तर परिवेश एवं संबन्धित उपन्यासों की चर्चा की।

रामधारी सिंह 'दिनकर'

रामधारी सिंह (23 सितंबर 1908 - 24 अप्रैल 1974), जिन्हें उनके कलम नाम **दिनकर के** नाम से जाना जाता है , एक भारतीय हिंदी भाषा के कवि, निबंधकार, स्वतंत्रता सेनानी, देशभक्त और शिक्षाविद थे। वे भारतीय स्वतंत्रता से पहले के दिनों में लिखी गई अपनी राष्ट्रवादी कविता के परिणामस्वरूप विद्रोही कवि के रूप में उभरे। उनकी कविताओं में वीर रस झलकता है , और उन्हें उनकी प्रेरक देशभक्ति रचनाओं के कारण राष्ट्रकवि ('राष्ट्रीय कवि') और युग-चरण (युग का चरण) के रूप में सम्मानित किया गया है। वे हिंदी कवि सम्मेलन के नियमित कवि थे और हिंदी भाषियों के लिए उन्हें कविता प्रेमियों के लिए उतना ही लोकप्रिय और जुड़ा हुआ माना जाता है जितना कि रूसियों के लिए पुश्किन।

आधुनिक हिंदी के उल्लेखनीय कवियों में से एक, दिनकर का जन्म ब्रिटिश भारत के बंगाल प्रेसीडेंसी के सिमरिया गाँव में हुआ था , जो अब बिहार राज्य के बेगूसराय जिले का हिस्सा है। सरकार ने उन्हें वर्ष 1959 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया था और उन्हें तीन बार राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया था। इसी तरह, उनके राजनीतिक विचारों को महात्मा गांधी और कार्ल मार्क्स दोनों ने काफी प्रभावित किया। दिनकर ने स्वतंत्रता-पूर्व काल में अपनी राष्ट्रवादी कविता के माध्यम से लोकप्रियता हासिल की।

दिनकर ने शुरू में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारी आंदोलन का समर्थन किया , लेकिन बाद में वे गांधीवादी बन गए। हालाँकि, वे खुद को "बुरा गांधीवादी" कहते थे क्योंकि वे युवाओं में आक्रोश और बदले की भावना का समर्थन करते थे। कुरुक्षेत्र में , उन्होंने स्वीकार किया कि युद्ध विनाशकारी है लेकिन तर्क दिया कि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। वे उस समय के प्रमुख राष्ट्रवादियों जैसे राजेंद्र प्रसाद , अनुग्रह नारायण सिन्हा , श्रीकृष्ण सिन्हा , रामबृक्ष बेनीपुरी और ब्रज किशोर प्रसाद के करीबी थे।

दिनकर तीन बार राज्य सभा के लिए चुने गए , और वे 3 अप्रैल 1952 से 26 जनवरी 1964 तक इस सदन के सदस्य रहे, और उन्हें 1959 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वे 1960 के दशक की शुरुआत में भागलपुर विश्वविद्यालय (भागलपुर, बिहार) के कुलपति भी थे। आपातकाल के दौरान , जयप्रकाश नारायण ने रामलीला मैदान में एक लाख लोगों की भीड़ को इकट्ठा किया था और दिनकर की प्रसिद्ध कविता: सिंहासन खाली करो के जनता आती है ('सिंहासन खाली करो, क्योंकि जनता आ रही है') का पाठ किया था।

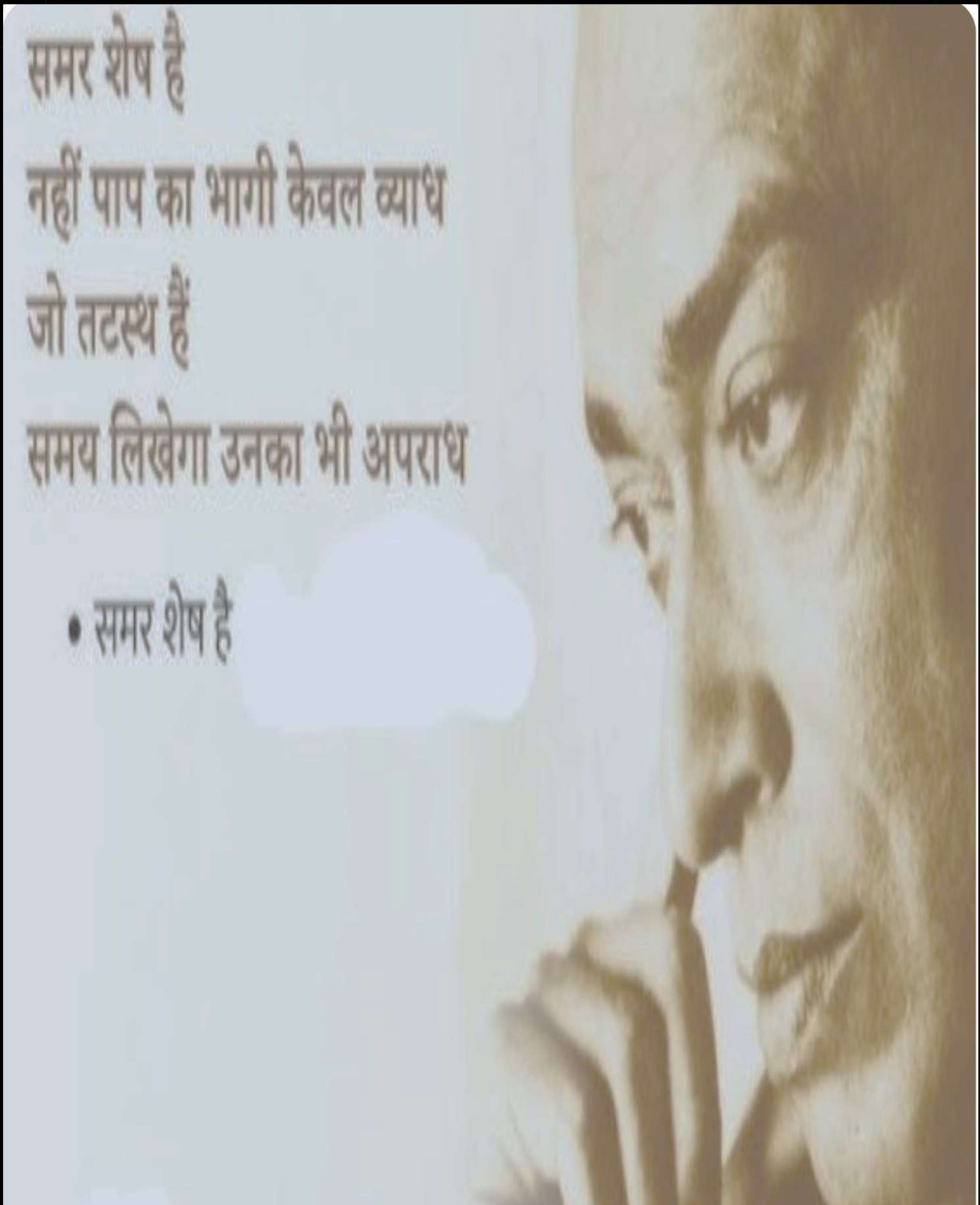
समर शेष है
नहीं पाप का भागी केवल व्याध
जो तटस्थ हैं
समय लिखेगा उनका भी अपराध
• समर शेष है
रामधारी